

जय कोल्हापुर निलये बजधिष्ठेतरविलये
तव पादौ ह्रिदि कलये रत्न रचितवलेये

जय जय सागरजाते कुरु करुणा मयि भीते
जगदम्बाभिध्या ते जीवति तव पोते

जय जय सागर सदना जय कान्त्या जितमदना
जय दुष्टान्तक कदना कुन्दमुकुल रदना

सुरमणी नूत चरणे सुमनः सन्कट हरणे
सुस्वर रन्जित वीणे सुन्दरि निज किरणे

भजदिन्दीवर सोमा भवमुख्यामरकामा
भयमूलालिविरामा भन्जित मुनिभीमा

कुम्कुम रन्जितफ्राले कुन्जर बान्दवलोल्ले
कलधौतामलचैले क्रिन्तकुजनजाले

ध्रितकरुणा रस पूरे धनदानोत्सव धीरे
ध्वनिलवनिन्दितकीरे धीरे दनुजदारे

सुरहुत्पन्जरकीरा सुमगेहार्पितहारा
सुन्दर कुन्जविहार सुर परिवारा

वरकबरीध्रितकुसुमे वरकनकाधिकसुषुमे
वननिलयादय भीमे वदन विजित सोमे

मदकलभालसगमने मधुमथनालस नयने
मृदुलोलालकरचरणे मधुर सरस गाने

व्याग्रपुरिवर निलये व्यासपदार्पित हृदये

कुरु करुणा मयि सदये विविद निगम गेये